DAINIK BHASKAR

सीएम की पाठशाला | भोपाल के महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में 'सीएम की पाठशाला' में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छात्राओं को नारी सशक्तिकरण, राष्ट्रभक्ति और मप्र की गौरवशाली महिला विभूतियों से जुड़ी प्रेरणादायक कहानियां सुनाईं। उन्होंने अहिल्याबाई का 300वां जन्मवर्ष मनाने में छात्राओं की भागीदारी का आह्वान भी किया।

हर दौर में सशक्त रही भारतीय नारी : सीएम

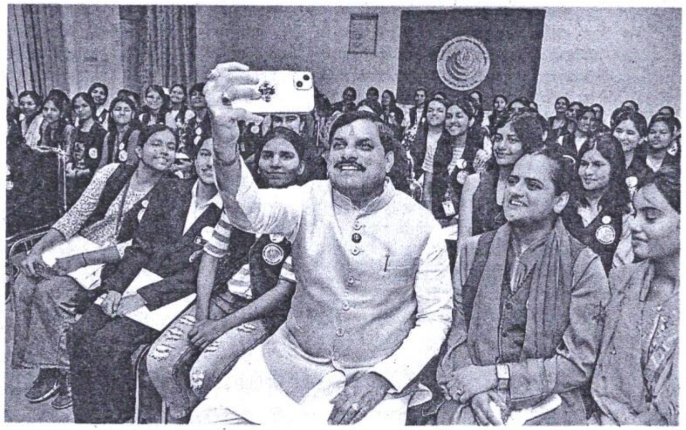

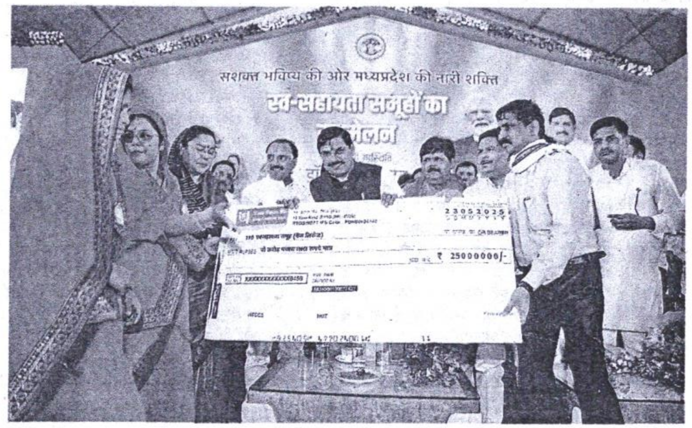

भोपाल के महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित 'सीएम की पाठशाला' कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छात्राओं को नारी सशक्तिकरण, सामाजिक चेतना और मध्यप्रदेश की गौरवशाली महिला विभूतियों महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन संघर्षों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय नारी सदैव सशक्त रही है और उनका योगदान आज भी राष्ट्र के लिए प्रेरणादायक है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल स्थित महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्राओं से संवाद करते हुए 'सीएम की पाठशाला' कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से राष्ट्रभक्ति, नारी सशक्तिकरण और मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक महिला व्यक्तित्वों महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन संघर्ष और योगदान पर विस्तार से चर्चा की।मुख्यमंत्री ने कहा कि 'भारत में महिलाएं तब भी सशक्त थीं, जब उन्हें कम अधिकार प्राप्त थे और आज भी सशक्त हैं जब उन्हें सर्वाधिक अधिकार मिले हैं। उन्होंने महारानी दुर्गावती के पराक्रम की चर्चा करते हुए बताया कि उन्होंने अकबर की सेना से युद्ध करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। साथ ही जबलपुर में आधारताल और मदन महल जैसे स्थापत्य व जल संरक्षण प्रणाली का निर्माण कराया, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री ने देवी अहिल्याबाई होल्कर की शासन व्यवस्था, सामाजिक सुधारों और धार्मिक स्थलों के निर्माण को अद्वितीय बताते हुए कहा कि उन्होंने 28 वर्षों तक कुशल प्रशासन चलाया, विधवा विवाह को प्रोत्साहित किया और महेश्वरी साड़ियों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया। डॉ. यादव ने बताया कि 31 मई को देवी अहिल्याबाई का 300वां जन्मवर्ष है और इस उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भोपाल में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल होंगे। उन्होंने छात्राओं से इस कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की। मुख्यमंत्री ने छात्राओं द्वारा 'होलिस्टिक अपस्किलिंग नारी शक्ति प्रोजेक्ट' के तहत बनाए गए चीनी मिट्टी के उत्पादों, डिजाइनर कपड़ों व अन्य नवाचारों की सराहना की।

मध्यप्रदेश में महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता को लेकर लगातार ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता महिलाओं को सशक्त बनाना है। राज्य में चलाई जा रही योजनाओं का असर अब जमीनी स्तर पर दिख रहा है।

महिला सशक्तिकरण के लिए लागू योजनाओं ने मध्यप्रदेश को पूरे देश में एक मॉडल के रूप में स्थापित किया है, जिसे कई अन्य राज्यों ने भी अपनाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हर परिवार को पक्की छत, शौचालय, नल-जल और उज्ज्वला जैसी योजनाओं का लाभ मिला है, जिससे महिलाओं का जीवन पहले से अधिक सुविधाजनक हुआ है। महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक मदद दी जा रही है, जिससे वे "लखपति दीदी" बनकर आत्मनिर्भर बन रही हैं। उनके उत्पाद अब बाजारों और ऑनलाइन माध्यमों से बेचे जा रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग का बजट 81% बढ़ाकर वर्ष 2024-25 में 26,560 करोड़ रुपए कर दिया गया है, जिसमें "लाड़ली बहना योजना" के लिए 18,984 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान है। इससे 1.25 करोड़ बहनों को लाभ मिल रहा है।

सशक्त वाहिनी कार्यक्रम के जरिए बालिकाओं को आत्मरक्षा और प्रतियोगी परीक्षा की ट्रेनिंग दी जा रही है, जिससे अब तक 128 बालिकाएं सरकारी सेवाओं में चयनित हो चुकी हैं। 97 हजार से अधिक आंगनबाड़ियों से 81 लाख महिलाएं, बच्चे और किशोरियाँ लाभान्वित हो रहे हैं। इन्हें अब डिजिटल सुविधाओं से जोड़ा गया है। महिला खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है। बीपीएल श्रेणी की लाखों महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर लखपति दीदी बन चुकी हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी और आत्मनिर्भरता बढ़ी है।

प्रदेश की 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों की महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य कर रही हैं और

NAI DUNIYA

नईदुनिया

भोपाल, 29 मई 2025

महिला पॉलिटेक्निक में मुख्यमंत्री की पाठशाला

सुनाई महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई की कहानी

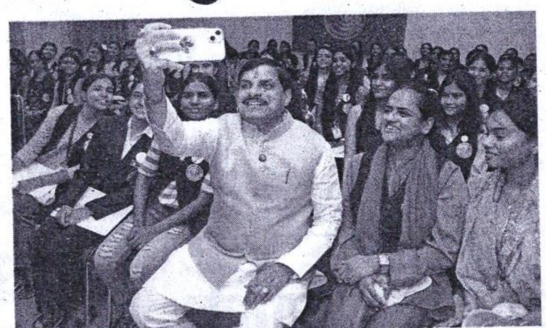

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं है। राष्ट्र का हित सर्वोपरि है। भारत देश में महिलाएं तब भी सशक्त थीं, जब उन्हें कम अधिकार थे और आज भी उतनी ही सशक्त हैं, जब उन्हें सर्वाधिकार प्राप्त हैं। महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई ने अपने साहस, शौर्य, पराक्रम और कौशल से न केवल शासन किया अपितु प्रशासन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में एक आदर्श प्रस्तुत किया।

दोनों का जीवन आसान नहीं था, इनके जीवन में नाना प्रकार के संघर्ष थे, अवरोध थे, कठिनाईयां थीं, दुश्वारियां थीं, फिर भी इन्होंने हार नहीं मानी और अंततः सारी कठिनाईयों से लड़कर और जूझकर उन्होंने अपना मुकाम हासिल किया। यही वजह है कि आज हम इन्हें उनके पराक्रम के लिए जानते हैं। मुख्यमंत्री बुधवार को राजधानी के महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्राओं से आत्मीय संवाद कर रहे थे। डॉ. यादव ने कॉलेज के फैशन टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट की छात्राओं से उनके क्लासरूम में सीएम की पाठशाला लगाई और सभी बेटियों से गुरूतुल्य व पितातुल्य संवाद किया। उन्होंने छात्राओं को महारानी दुर्गावती और लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सम्पूर्ण जीवन वृतांत पर रोचकतापूर्वक प्रकाश डालकर छात्राओं का ज्ञान संवर्धन किया। डॉ. यादव ने छात्राओं के आल्हाद में सहभागी बनकर उनके साथ सेल्फी भी ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महारानी दुर्गावती ने अकबर की सेना के साथ लड़ाई की और अंततः खुद को न्यौछावर कर दिया। उन्होंने छात्राओं को बताया कि महारानी दुर्गावती ने जबलपुर में आधारताल, मदन महल बनाया। ऐसी जल संरचनाएं बनवाईं कि एक तालाब भरने के बाद अगला तालाब, उसके बाद उसके अगले तालाब में जल संरक्षण होता रहा। इससे प्रजा को जल संचयन की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा कि तकनीक के मामले में तब के शासक भी अग्रणी थे। डॉ. यादव ने छात्राओं की रानी दुर्गावती की शौर्य गाथा विस्तार से बताते हुए कहा कि हमें इस बात का गर्व है कि वे मध्यप्रदेश की महारानी थीं। मुख्यमंत्री ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई के बारे में छात्राओं को बताया कि उन्होंने अपने करीब 28 साल के शासन में देश को शासन व्यवस्था की एक नई परिभाषा सिखाई। उन्होंने जगह-जगह मंदिर बनवाए, घाट बनवाए, यात्रियों के लिए सराय (विश्राम गृह), अन्न क्षेत्र, तीर्थ क्षेत्र बनवाए। महिला सशक्तिकरण की मिसाल कायम करते हुए देवी अहिल्याबाई ने विधवा विवाह कराए। इससे वे तत्समय विधवाओं के जीवन में एक नया संवेरा लेकर आईं। उन्होंने सबके साथ समान रूप से न्याय किया। वे एक अच्छी बेटी, अच्छी बहु, अच्छी पत्नी के साथ एक ममतामयी मां भी थीं।

मुख्यमंत्री ने छात्राओं को बताया कि देवी अहिल्याबाई होल्कर का जन्म 31 मई 1725 को एक मराठा हिन्दू परिवार में चौंडी नामक गांव में हुआ था, जो आजकल महाराष्ट्र के अहमदनगर में आता है। चूंकि 31 मई को उनके जन्म के 300 साल पूरे हो रहे हैं, यही कारण है कि आज न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरा देश उनका 300वां जयंती वर्ष हर्षोल्लास से मना रहा है। उन्होंने कहा कि 31 मई को स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देवी अहिल्याबाई की स्मृति में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल होने भोपाल पधार रहे हैं। उन्होंने बेटियों से कहा कि वे कार्यक्रम में आएं और देवी अहिल्याबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से प्रेरणा लें। सीएम की पाठशाला कार्यक्रम में बेटियों ने डॉ. यादव से प्रश्न भी पूछे। आपने सभी प्रश्नों के बड़ी सहजता और मनुहार के साथ जवाब दिए। डॉ. यादव ने महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में होलिस्टिक अपस्किलिंग नारी शक्ति प्रोजेक्ट के तहत छात्राओं द्वारा चीनी मिट्टी से तैयार किए गए नए-नए घरेलू उत्पाद, लाईट लैम्प, डिजाइनर मिरर, फेब्रिक, डिजाईनर कुर्ते-कुर्ती और अन्य प्रादर्शों का अवलोकन किया और बेटियों के नवाचारों की मुक्तकंठ से सराहना की। इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी, समाजसेवी रविन्द्र यति उपस्थित थे।

DAINIK JAGRAN

दैनिक जागरण 25/09/2025

तरफ जाने वाली सड़कों पर यातायात डायवर्ट किया जाएगा।

देश की महिलाएं हमेशा रहीं हैं सशक्त : मुख्यमंत्री

पॉलिटेक्निक पहुंचे सीएम ने छात्राओं से किया संवाद, अहिल्याबाई -दुर्गावती के जीवन पर डाला प्रकाश

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव मंगलवार को महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज पहुंचे.जहां उन्होंने छात्राओं से सीधा संवाद किया। सीएम ने महारानी दुर्गावती और लोकमाता देवी अहिल्याबाई के जीवन पर प्रकाश डाला। डॉ. यादव ने कहा है कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं है और राष्ट्र का हित सर्वोपरि है। देश में महिलाएं तब भी सशक्त थीं, जब उन्हें कम अधिकार थे और आज भी उतनी ही सशक्त हैं, जब उन्हें सर्वाधिकार प्राप्त हैं। महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई ने अपने साहस, शौर्य, पराक्रम और कौशल से न केवल शासन किया अपितु प्रशासन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में आदर्श प्रस्तुत किया। दोनों का जीवन आसान नहीं था, इनके जीवन में नाना प्रकार के संघर्ष थे, अवरोध थे, कठिनाईयां थीं, दुश्वारियां थीं, फिर भी इन्होंने हार नहीं मानी और अंततः सारी कठिनाईयों से लेकर और जूझकर उन्होंने अपना मुकाम हासिल किया। यही वजह है कि आज हम इन्हें उनके पराक्रम के लिए जानते हैं।

क्लासरूम में लगी पाठशाला

मुख्यमंत्री ने कॉलेज के फैशन टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट की छात्राओं से उनके क्लासरूम में सीएम की पाठशाला लगाई। उन्होंने छात्राओं को मध्यप्रदेश की महारानी दुर्गावती और लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सम्पूर्ण जीवन वृतांत पर रोचकतापूर्वक प्रकाश डालकर छात्राओं का ज्ञान संवर्धन किया। उन्होंने कहा कि 31 मई को स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देवी अहिल्याबाई की स्मृति में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल होने भोपाल आ रहे हैं। इस कार्यक्रम में बेटियों को भी आना चाहिए।

NAI DUNIA

www.naidunia.com

संघर्षों के बीच भी महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई ने कभी हार नहीं मानी

मुख्यमंत्री ने किया महिला पालीटेक्निक कालेज में छात्राओं से संवाद

महिला पालीटेक्निक में छात्राओं संग सेल्फी लेते सीएम डा. मोहन यादव। ● सौः जनसंपर्क विभाग

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं है। राष्ट्र का हित सर्वोपरि है। भारत देश में महिलाएं तब भी सशक्त थीं, जब उन्हें कम अधिकार थे और आज भी उतनी ही सशक्त हैं, जब उन्हें सर्वाधिकार प्राप्त हैं। महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई ने अपने साहस, शौर्य, पराक्रम और कौशल से न केवल शासन किया, अपितु प्रशासन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में एक आदर्श प्रस्तुत किया। दोनों का जीवन आसान नहीं था, इनके जीवन में नाना प्रकार के संघर्ष थे, फिर भी इन्होंने हार नहीं मानी। लड़कर अपना मुकाम हासिल किया। यही वजह है कि आज हम इन्हें उनके पराक्रम के लिए जानते हैं।

मुख्यमंत्री डा. यादव बुधवार को महिला पालीटेक्निक कालेज में छात्राओं से संवाद कर रहे थे। डा. यादव ने कालेज के फैशन टेक्नोलाजी डिपार्टमेंट की छात्राओं के साथ उनके क्लास रूम में 'सीएम की पाठशाला' लगाई और सभी बेटियों से गुरुतुल्य व पितातुल्य संवाद किया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को महारानी दुर्गावती और लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सम्पूर्ण जीवन वृतांत पर रोचकतापूर्वक प्रकाश डालकर छात्राओं का ज्ञान संवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं के आल्हाद में सहभागी बनकर उनके साथ सेल्फी भी ली। कार्यक्रम में बेटियों ने मुख्यमंत्री से प्रश्न भी पूछे।

PATRIKA

बैतूल : स्व-सहायता समूह सम्मेलन में बोले सीएम

लाड़ली बहनों को 5 साल में धीरे-धीरे 3 हजार रुपए देंगे

सीएम की पाठशाला...

भोपाल. राजधानी के महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में बुधवार को सीएम डॉ. मोहन यादव पहुंचे। यहां छात्राओं से संवाद कर 'सीएम की पाठशाला' लगाई। उन्होंने यहां बेटियों के नवाचारों को सराहते हुए सेल्फी भी ली।

TIMES OF INDIA

Times of India 29/05/2025

CM invokes Ahilyabai's legacy in push for women's empowerment

TIMES NEWS NETWORK

Bhopal: CM Mohan Yadav on Wednesday reiterated the state's strong commitment to women empowerment and self-reliance, saying his govt is continuously working in this direction, inspired by the legacy of Lokmata Ahilyabai Holkar.

Yadav was addressing a self-help group (SHG) conference held in Betul district's Sarni, where he inaugurated and laid the foundation stones for development works worth over Rs 464 crore.

He also unveiled a booklet titled 'Vikas ke Path Par Agrasar', focussed on the development of Betul.

During the event, the CM distributed Interest-to-Invest letters worth Rs 8.10 crore to four SHGs under the state's start-up campaign, enabling their women-led companies to grow and thrive.

Praising Sarni, Yadav said it was a land blessed with abundant natural wealth, including coal reserves and the origin of the river Tapti.

He referred to Sarni's contribution in energising the state, likening its coal deposits to gold.

Addressing the women, he said: "I have come to Betul today to meet my sisters," expressing his hope that no sorrow ever touches their lives.

He highlighted historical examples of women's valour, including Rani Durgavati, who bravely fought 52 battles against Mughal invaders, and Rani Lakshmibai of Jhansi, who laid the foundation of India's freedom struggle with her courage.

He praised Lokmata Ahilyabai Holkar, whose 300th birth anniversary is being celebrated across the country, as a ruler dedicated to public welfare and women's empowerment.

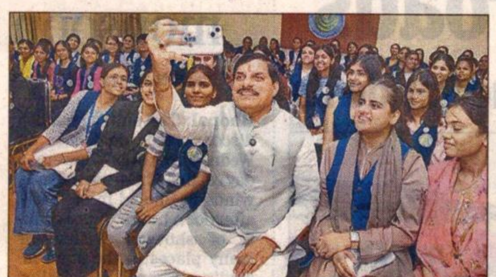

CM Mohan Yadav takes a selfie with students during a visit to Government Women's Polytechnic College in Bhopal on Wednesday

Yadav leads 'Tiranga Yatra' in Sarni

Bhopal: CM Mohan Yadav on Wednesday participated in a grand 'Tiranga Yatra' organised to honour the valiant soldiers in Betul district's Sarni. A huge crowd joined the yatra, which was led by tribal folk dancers performing traditional dances to the rhythmic beats of drums and mridang.

Amid the vibrant atmosphere, Yadav raised slogans of 'Vande Mataram' and 'Bharat Mata Ki Jai', inspiring the gathering. People standing along both sides of the roads showered flowers on the CM as he passed by. TNN

Cong to hold 'Jai Hind Sabha' in Jabalpur

Bhopal: The Congress state unit will hold a "Jai Hind Sabha" in Jabalpur on May 31, the same day when PM Narendra Modi is scheduled to address a massive women empowerment rally in the state capital.

"There is tremendous enthusiasm among the Congress workers about the Jai Hind Sabha," an PCC release said on Wednesday. A special meeting to review the preparations of the rally was held in Katni on Tuesday which was addressed by Congress state president Jitu Patwari, who gave the message to party workers to be ready for a decisive struggle.

"This is a fight of ideas and ideology. This fight is to save the Constitution. There will be cases registered against us, attempts will be made to intimidate our families as well - but we do not have to be afraid, we have to fight bravely," Patwari said after Indore police registered a case of land grabbing against his brother Bharat, relative Nanna and party Indore district president Sadashiv Yadav.

Patwari said the Jai Hind Sabha to be held on May 31 will not be just a public meeting, but it will be the beginning of a new struggle of the Congress. "...This will not be just a presence, it will be a demonstration of our commitment," he said. TNN

HARI BHUMI

महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में 'सीएम की पाठशाला'...छात्राओं से किया संवाद, सुनाई प्रेरक कहानियां

मप्र समेत पूरा देश मना रहा है देवी अहिल्याबाई का 300वां जन्म जयंती वर्ष

दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई का जीवन संघर्षों भरा, पर नहीं मानी हार

सीएम ने कहा कि देवी अहिल्या ने समान रूप से न्याय किया, वे एक अच्छी बेटी, अच्छी बहू, अच्छी पत्नी के साथ एक ममतामयी मां भी थी

मुख्यमंत्री ने छात्राओं के आल्हाद में सहभागी बनकर उनके साथ सेल्फी भी ली

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं है। राष्ट्र का हित सर्वोपरि है। भारत देश में महिलाएं तब भी सशक्त थीं, जब उन्हें कम अधिकार थे और आज भी उतनी ही सशक्त हैं, जब उन्हें सर्वाधिकार प्राप्त हैं। महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई ने अपने साहस, शौर्य, पराक्रम और कौशल से न केवल शासन किया, अपितु प्रशासन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में एक आदर्श प्रस्तुत किया। देवी अहिल्या ने सबके साथ समान रूप से न्याय किया।

वे एक अच्छी बेटी, अच्छी बहू, अच्छी पत्नी के साथ एक ममतामयी मां थीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को भोपाल के महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्राओं से आत्मीय संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई दोनों का जीवन आसान नहीं था, इनके जीवन ▸▸ शेष पेज 6 पर

कार्यक्रम में बेटियों ने मुख्यमंत्री से प्रश्न भी पूछे

अपने बेटे से बढ़कर देवी अहिल्याबाई को सत्ता के सूत्र सौंपे

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवी अहिल्याबाई को न केवल उनके माता-पिता ने वरन उनके सास-ससुर ने भी अपनी बेटी की तरह पाला था। अपने बेटे से बढ़कर देवी अहिल्याबाई को सत्ता के सूत्र सौंपे, शासन चलाने का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने तत्कालीन महिलाओं को सशक्त बनाते हुए महेश्वरी साड़ी बनाने में कुशल बनाया। महेश्वरी साड़ियां हमें देवी अहिल्याबाई की सौगात है। अहिल्याबाई ने अपनी सास गोतमाबाई से प्राप्त खासगी की रकम से कई मंदिर और घाट बनवाए। देवी अहिल्याबाई ने महेश्वर को अपनी राजधानी बनाया। उन्होंने देश को सिखाया कि मंदिर और तीर्थयात्रा सिर्फ पूजा के लिए नहीं होते, इससे पर्यटन बढ़ता है। पर्यटन व देशाटन से आंतरिक संबंध बनते हैं, इससे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को बढ़ावा मिलता है।

बेटियों के नवाचारों की मुक्तकंठ से सराहना की

मुख्यमंत्री ने महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में 'होलिस्टिक अपस्किलिंग नारी शक्ति प्रोजेक्ट' के तहत छात्राओं की ओर से चीनी मिट्टी से तैयार किए गए नए-नए घरेलू उत्पाद, लाइट लैंप, डिजाइनर मिरर, फेब्रिक, डिजाइनर कुर्ते-कुर्ती और अन्य प्रादर्शों का अवलोकन किया। बेटियों के नवाचारों की मुक्तकंठ से सराहना की। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक भगवानदास सबनानी, कॉलेज के प्राचार्य राव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी व कॉलेज के अध्यापक एवं छात्राएं उपस्थित थीं।

दोनों लोकमाताओं ने देश को शासन व्यवस्था की एक नई परिभाषा सिखाई

मुख्यमंत्री ने कहा कि महारानी दुर्गावती ने अकबर की सेना के साथ लड़ाई की। अंततः खुद को न्यौछावर कर दिया। उन्होंने छात्राओं को बताया कि महारानी दुर्गावती ने जबलपुर में आधारताल, मदन महल बनवाया। ऐसी जल संरचनाएं बनवाईं कि एक तालाब भरने के बाद अगला तालाब, उसके बाद उसके अगले तालाब में जल संरक्षण होता रहा। इससे प्रजा को जल संचयन की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा कि तकनीक के मामले में तब के शासक भी अग्रणी थे। हमें इस बात का गर्व है कि वे मध्यप्रदेश की महारानी थीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई के बारे में छात्राओं को बताया कि उन्होंने अपने करीब 28 साल के शासन में देश को शासन व्यवस्था की एक नई परिभाषा सिखाई। उन्होंने जगह-जगह मंदिर बनवाए, घाट बनवाए, यात्रियों के लिए सराय (विश्राम गृह), अन्न क्षेत्र, तीर्थ क्षेत्र बनवाए। महिला सशक्तिकरण की मिसाल कायम करते हुए देवी अहिल्याबाई ने विधवा विवाह कराए।

RAJ EXPRESS

करग।

अत्याधिक दबाव रहेगा।

▶ सुनाई महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई की कहानी

अहिल्याबाई व दुर्गावती का जीवन संघर्षों से भरा रहा, इन्होंने कभी हार नहीं मानी

मुख्यमंत्री ने महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में सीएम की पाठशाला में छात्राओं से किया संवाद

● भोपाल / प्रशासनिक संवाददाता

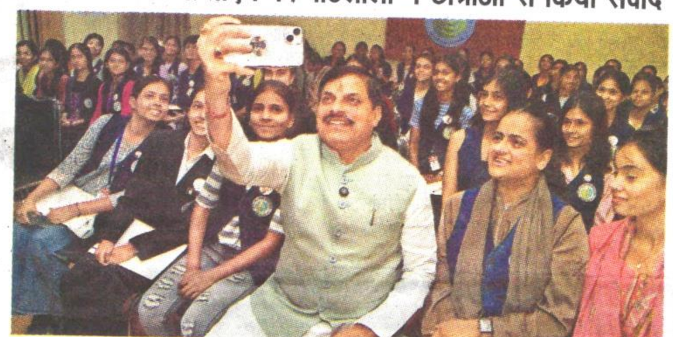

ख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं है। राष्ट्र का हित सर्वोपरि है। भारत देश में महिलाएं तब भी सशक्त थीं, जब उन्हें कम अधिकार थे और आज भी उतनी ही सशक्त हैं, जब उन्हें सर्वाधिकार प्राप्त हैं। महारानी दुर्गावती व देवी अहिल्याबाई ने अपने साहस, शौर्य, पराक्रम और कौशल से न केवल शासन किया, अपितु प्रशासन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में एक आदर्श प्रस्तुत किया। दोनों का जीवन आसान नहीं था, इनके जीवन में नाना प्रकार के संघर्ष थे, अवरोध थे, कठिनाइयां थीं, दुश्वारियां थीं, फिर भी इन्होंने हार नहीं मानी और अंततः सारी कठिनाइयों से लड़कर और जूझकर उन्होंने अपना मुकाम हासिल किया।

यही वजह है कि आज हम इन्हें उनके पराक्रम के लिए जानते हैं। मुख्यमंत्री बुधवार को भोपाल के महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्राओं से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कॉलेज के फैशन टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट की छात्राओं से उनके क्लासरूम में सीएम की पाठशाला लगाई और सभी बेटियों से गुरुतुल्य व पितातुल्य संवाद किया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को मप्र की महारानी दुर्गावती और लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सम्पूर्ण जीवन वृतांत पर रोचकतापूर्वक प्रकाश डालकर छात्राओं का ज्ञान संवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महारानी दुर्गावती ने अकबर की सेना के साथ लड़ाई की और अंततः खुद को न्यौछावर कर दिया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को बताया कि महारानी दुर्गावती ने जबलपुर में आधारताल, मदन महल बनाया। ऐसी जल संरचनाएं बनवाईं कि एक तालाब भरने के बाद अगला तालाब, उसके बाद उसके अगले तालाब में जल संरक्षण होता रहा। इससे प्रजा को जल संचयन की प्रेरणा मिली।

अहिल्याबाई ने पेश की महिला सशक्तिकरण की मिसाल

मुख्यमंत्री ने लोकमाता अहिल्याबाई के बारे में छात्राओं को बताया कि उन्होंने अपने करीब 28 साल के शासन में देश को शासन व्यवस्था की एक नई परिभाषा सिखाई। उन्होंने जगह-जगह मंदिर बनवाए, घाट बनवाए, यात्रियों के लिए सराय (विश्राम गृह), अन्न क्षेत्र, तीर्थ क्षेत्र बनवाए। महिला सशक्तिकरण की मिसाल कायम करते हुए देवी अहिल्याबाई ने विधवा विवाह कराए। वे एक अच्छी बेटी, अच्छी बहु, अच्छी पत्नी के साथ एक ममतामयी मां भी थीं। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को बताया कि अहिल्याबाई का जन्म 31 मई, 1725 को एक मराठा हिन्दू परिवार में चौंडी नामक गांव में हुआ था, जो आजकल महाराष्ट्र के अहमदनगर में आता है। चूंकि 31 मई को उनके जन्म के 300 साल पूरे हो रहे हैं, यही कारण है कि आज न केवल मप्र बल्कि पूरा देश उनका 300वां जयंती वर्ष हर्षोल्लास से मना रहा है। उन्होंने कहा कि 31 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देवी अहिल्याबाई की स्मृति में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल होने भोपाल आ रहे हैं।

SWADESH

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, शिवाजी नगर भोपाल में छात्राओं से संवाद किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महिला पॉलिटेक्निक में छात्राओं से किया संवाद बोले-

प्रतिभा और योग्यता के बल पर आगे बढ़ रहीं बेटियां ही प्रदेश-देश का भविष्य

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, शिवाजी नगर का निरीक्षण कर छात्राओं द्वारा तैयार किए गए विभिन्न मॉडल आदि की जानकारी ली।

स्वदेश संवाददाता ▪ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यदव ने बुधवार को राजधानी भोपाल के शिवाजी नगर में स्थित महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज पहुंचकर छात्राओं से संवाद किया और उनके कौशल विकास पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं की प्रतिभा को देखकर कहा कि अपनी प्रतिभा और योग्यता के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रहीं बेटियां ही प्रदेश-देश का भविष्य हैं।

जब सीएम डॉ मोहन यादव ने ली छात्राओं के साथ सेल्फी : लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की जन्म जयंती पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रंखला में ये महिला सम्मेलन आयोजित हो रहा है, इसी क्रम में आज मुख्यमंत्री महिला पॉलिटेक्निक पहुंचे और छात्राओं से संवाद किया, संवाद का जो माहौल था वो बहुत ही सहज और आत्मीय था, सीएम इतने सहज हो गए कि उन्होंने सेल्फी लेने का आग्रह कर रही छात्राओं के साथ उनका मोबाइल लेकर खुद उनके साथ सेल्फी ली। सीएम ने कहा लोकमाता देवी अहिल्याबाई जी होल्कर ने शिक्षा से मातृशक्ति के सशक्तिकरण, स्वावलंबन एवं समृद्धि के जो प्रतिमान स्थापित किए थे, उसकी उज्ज्वल झलक देख हृदय आनंदित है। अपनी प्रतिभा और योग्यता के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रहीं बेटियां ही प्रदेश-देश का भविष्य हैं। कौशल, ज्ञान और समर्पण से अपनी नई पहचानं बना रहीं बेटियों को अपने लक्ष्य तक पहुंच कर सर्वोच्च सफलता प्राप्त करने हेतु मेरी अग्रिम शुभकामनाएं हैं।

रानी दुर्गावती, अहिल्याबाई , रानी लक्ष्मीबाई से गौरवांवित है हमारा अतीत

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सुशासन की बात आती है, महिला सशक्तिकरण की बात आती है तो हमारी बहनों के अतीत के हिस्सों में को भी जानने की जरुरत है अंग्रेजों ने जो भ्रम फैलाया था कि हमारे यहाँ महिलाओं की इज्जत नहीं होती तो हमें अतीत को देखकर बताना चाहिए कि कैसे रानी दुर्गावती ने 300 साल पहले अकबर को परास्त किया और बलिदान दिया कैसे वो 52 युद्ध जीतीं, अहिल्या बाई, रानी झाँसी का शौर्य सब जानते है ये हमारा गौरवशाली अतीत है।

हमारी बहनों की जिंदगी बेहतर बने यही प्रयास

मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ये महिला पॉलिटेक्निक मेरे जन्म से भी पहले बना है मैं यहाँ बहनों से मिलने आया हूँ पॉलिटेक्निक से दक्षता से हमारी बहनों की जिंदगी बेहतर बने, रानी दुर्गावती, अहिल्याबाई, झांसी की रानी ये मध्य प्रदेश की बेटियां रहीं जिन्होंने शासन भी चलाया बलिदान का उदाहरण बनी।

RASHTRIYA HINDI MAIL

मुख्यमंत्री ने महिला पॉलिटेक्निक में किया संवाद

प्रतिभा और योग्यता के बल पर आगे बढ़ रहीं बेटियां ही प्रदेश-देश का भविष्य : डॉ. यादव

समाचार विश्लेषण

पृथ्विजय कुमार दास मो. 9971085589

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यदव ने बुधवार को राजधानी भोपाल के शिवाजी नगर में स्थित महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज पहुंचकर छात्राओं से संवाद किया और उनके कौशल विकास पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं की प्रतिभा को देखकर कहा कि अपनी प्रतिभा और योग्यता के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रहीं बेटियां ही प्रदेश-देश का भविष्य हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को भोपाल में आयोजित हो रहे महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में शामिल होने आ रहे हैं, इस सम्मेलन में करीब 2 लाख महिलाओं के शामिल होने का अनुमान है, इसमें स्वरोजगार से जुड़ी महिलाएं, उद्यमी महिलाएं, कार्पोरेट में जॉब कर रहीं महिलाएं, छात्राएं सहित अन्य अलग अलग क्षेत्रों में काम कर रही महिलाएं शामिल होंगी। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की जन्म जयंती पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रंखला में ये महिला सम्मेलन आयोजित हो रहा है, इसी क्रम में आज मुख्यमंत्री महिला पॉलिटेक्निक पहुंचे और छात्राओं से संवाद किया, संवाद का जो माहौल था वो बहुत ही सहज और आत्मीय था, मुख्यमंत्री इतने सहज हो गए कि उन्होंने सेल्फी लेने का आग्रह कर रही छात्राओं के साथ उनका मोबाइल लेकर खुद उनके साथ सेल्फी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये महिला पॉलिटेक्निक मेरे जन्म से भी पहले बना है मैं यहाँ बहनों से मिलने आया हूँ पॉलिटेक्निक से दक्षता से हमारी बहनों की जिंदगी बेहतर बने, रानी दुर्गावती, अहिल्याबाई, झांसी की रानी ये मध्य प्रदेश की बेटियां रहीं जिन्होंने शासन भी चलाया बलिदान का उदाहरण बनी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सुशासन की बात आती है, महिला सशक्तिकरण की बात आती है तो हमारी बहनों के अतीत के हिस्सों में को भी जानने की जरुरत है अंग्रेजों ने जो भ्रम फैलाया था कि हमारे यहाँ महिलाओं की इज्जत नहीं होती तो हमें अतीत को देखकर बताना चाहिए कि कैसे रानी दुर्गावती ने 300 साल पहले अकबर को परास्त किया और बलिदान दिया कैसे वो 52 युद्ध जीतीं, अहिल्या बाई, रानी झाँसी का शौर्य सब जानते है ये हमारा गौरवशाली अतीत है।

लेखक इस पत्र समूह के प्रबंध संपादक हैं।

ANMOL SANDESH

पूरा देश मना रहा है देवी अहिल्याबाई का 300वां जन्म जयंती वर्ष

मुख्यमंत्री ने महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में सीएम की पाठशाला में छात्राओं से किया संवाद

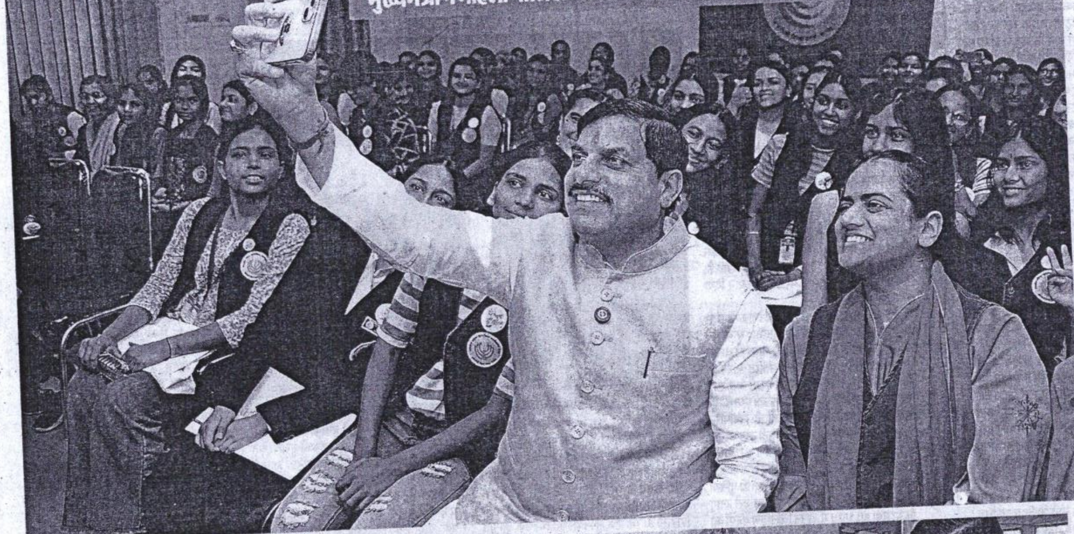

अनमोल संदेश, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं है। राष्ट्र का हित सर्वोपरि है। भारत देश में महिलाएं तब भी सशक्त थीं, जब उन्हें कम अधिकार थे और आज भी उतनी ही सशक्त हैं, जब उन्हें सर्वाधिकार प्राप्त हैं। महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई ने अपने साहस, शौर्य, पराक्रम और कौशल से न केवल शासन किया अपितु प्रशासन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में एक आदर्श प्रस्तुत किया।

दोनों का जीवन आसान नहीं था, इनके जीवन में नाना प्रकार के संघर्ष थे, अवरोध थे, कठिनाईयां थीं, दुश्वारियां थीं, फिर भी इन्होंने हार नहीं मानी और अंततः सारी कठिनाईयों से लड़कर और जूझकर उन्होंने अपना मुकाम हासिल किया। यही वजह है कि आज हम इन्हें उनके पराक्रम के लिए जानते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को भोपाल के महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्राओं से आत्मीय संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉलेज के फैशन टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट की छात्राओं से उनके क्लासरूम में सीएम की पाठशाला लगाई और सभी बेटियों से गुरूतुल्य व पितातुल्य संवाद किया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को मध्यप्रदेश की महारानी दुर्गावती और लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सम्पूर्ण जीवन वृतांत पर रोचकतापूर्वक प्रकाश डालकर छात्राओं का ज्ञान संवर्धन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं के आल्हाद में सहभागी बनकर उनके साथ सेल्फी भी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई के बारे में छात्राओं को बताया कि उन्होंने अपने करीब 28 साल के शासन में देश को शासन व्यवस्था की एक नई परिभाषा सिखाई।

मुख्यमंत्री ने सुनाई महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई की कहानी

उन्होंने जगह-जगह मंदिर बनवाए, घाट बनवाए, यात्रियों के लिए सराय (विश्राम गृह), अन्न क्षेत्र, तीर्थ क्षेत्र बनवाए। महिला सशक्तिकरण की मिसाल कायम करते हुए देवी अहिल्याबाई ने विधवा विवाह कराए। इससे वे तत्समय विधवाओं के जीवन में एक नया सवेरा लेकर आईं। उन्होंने सबके साथ समान रूप से न्याय किया। वे एक अच्छी बेटी, अच्छी बहु, अच्छी पत्नी के साथ एक ममतामयी मां भी थीं।

सीएम ने बेटियों के प्रश्नों के उत्तर बड़ी सहजता से दिए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्याबाई को न केवल उनके माता-पिता ने वरन् उनके सास-ससुर ने भी अपनी बेटी की तरह पाला था और अपने बेटे से बढ़कर देवी अहिल्याबाई को सत्ता के सूत्र सौंपे, शासन चलाने का प्रशिक्षण भी दिया। अहिल्याबाई ने जीवनपर्यंत नारी सशक्तिकरण के लिए काम किया। उन्होंने तत्कालीन महिलाओं को सशक्त बनाते हुए महेश्वरी साड़ी बनाने में कुशल बनाया। इससे महिलाएं आत्मनिर्भर बनीं। महेश्वरी साड़ियां हमें देवी अहिल्याबाई की सौगात है। अहिल्याबाई ने अपनी सास गोतमाबाई से प्राप्त खासगी की रकम से कई मंदिर और घाट बनवाए। महेश्वर को अपनी राजधानी बनाई। वे सच्चे अर्थों में नारी सशक्तिकरण का एक आदर्श व्यक्तित्व थीं। उन्होंने देश को सिखाया कि मंदिर और तीर्थयात्रा सिर्फ पूजा के लिए नहीं होते, इससे पर्यटन बढ़ता है और पर्यटन व देशाटन से आंतरिक संबंध बनते हैं, इससे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को बढ़ावा मिलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं को बताया कि देवी अहिल्याबाई होल्कर का जन्म 31 मई 1725 को एक मराठा हिन्दू परिवार में चौंडी नामक गांव में हुआ था, जो आजकल महाराष्ट्र के अहमदनगर में आता है। चूंकि 31 मई को उनके जन्म के 300 साल पूरे हो रहे हैं, यही कारण है कि आज न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरा देश उनका 300वां जयंती वर्ष हर्षोल्लास से मना रहा है। उन्होंने कहा कि 31 मई को स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देवी अहिल्याबाई की स्मृति में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल होने भोपाल पधार रहे हैं। उन्होंने बेटियों से कहा कि वे कार्यक्रम में आएं और देवी अहिल्याबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से प्रेरणा लें। सीएम की पाठशाला कार्यक्रम में बेटियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से प्रश्न भी पूछे। मुख्यमंत्री ने सभी प्रश्नों के बड़ी सहजता और मनुहार के साथ जवाब दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में होलिस्टिक अपस्किलिंग नारी शक्ति प्रोजेक्ट के तहत छात्राओं द्वारा चीनी मिट्टी से तैयार किए गए नए-नए घरेलू उत्पाद, लाईट लैम्प, डिजाइनर मिरर, फेब्रिक, डिजाईनर कुर्ते-कुर्ती और अन्य प्रादर्शों का अवलोकन किया और बेटियों के नवाचारों की मुक्तकंठ से सराहना की। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक भगवानदास सबनानी, समाजसेवी रविन्द्र यति, कॉलेज के प्राचार्य राव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी व कॉलेज के अध्यापक एवं छात्राएं उपस्थित थीं।